मदरहुड में जैविक उत्पादन प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र वितरित

● जनवाणी संवाददाता, भगवानपुर

रुड़की देहरादून राजमार्ग पर स्थित मदरहुड विश्वविद्यालय के कृषि संकाय में पतंजलि बायो रिसर्च इन्सटीटयूट द्वारा जैविक उत्पादन प्रशिक्षण प्रमाणपत्र का वितरण मदरहुड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० डॉ० नरेन्द्र शर्मा की अध्यक्षता में पतंजलि बायो रिसर्च इन्सटीटयूट से आये डॉ एन के मेहता डायरेक्टर नार्थ रीजन पी०बी०आर०आई० एवं श्री विवेक बैनीपुरी जनरल मैनेजर पी०बी०आर०आई० ओर मदरहुड विश्वविधालय के कुलसचिव आर कस्तूरी द्वारा जैविक उत्पादन प्रशिक्षण प्रमाणपत्र का वितरण किया गया।

इस कार्यक्रम की शुरूआत माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रजवलित कर की गयी। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अन्तर्गत पतंजलि बायो रिसर्च इन्सटीटयूट द्वारा किसान समृद्धि योजना के माध्यम से जैविक उत्पादन प्रशिक्षण दिया गया था जिसमे १२० छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया था जिनमे ७२ छात्रों ने सफलता प्राप्त की। इस प्रशिक्षण की अवधि 120 घण्टे की थी। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को जैविक कृषि की जानकारी उपलब्ध कराने के साथ-साथ किसान भाईयों की आय दुगनी कराने से भी है। इसके लिए मदरहुड विश्वविद्यालय के 72 छात्र-छात्राओं प्रमाणपत्रए टी.शर्ट और कैप दे कर सम्मानित किया गया।

डॉ ऐण केण मेहता ने कहा किसानों की प्रमुख समस्या फसल की लागत बढ़ गई लेकिन उत्पादन कम होना है। उन्होंने कहा इसका मुख्य कारण लंबे समय तक रासायनिक खादों व कीटनाशकों का प्रयोग करना है। उन्होंने अच्छी फसल के लिए जैविक खेती पर बल दिया। श्री विवेक बैनीपुरी ने ने छात्रों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि हमारी मौजूदा सरकार जैविक खेती पर जोर दे रही है जिसका एक प्रोजेक्ट पतंजलि को मिला है जिसके अंतगर्त ये प्रशिक्षण कराया जा रहा है बेनीपुरी जी ने बताया कि हम अभी तक चालीस हजार किसानो को इस परियोजना के अन्तगर्त जैविक खेती का प्रशिक्षण दे चुके है। छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ० अनिल कुमार कपिल ने मंच का संचालन किया। इस अवसर पर उप-अधिष्ठाता कृषि डॉ० राजीव कुमार,, सह-प्राध्यापक डॉ० विचित्र आर्य, श्री अरविन्द कुमार, श्री प्रभात कुमार अंकुर सिंह एवं हेमंत कपूर उपस्थित रहे।

देहरादून। बृहस्पतिवार ● 13 फरवरी ● 2020

राष्ट्रीय सहारा

जैविक खेती अपनाने पर दिया जोर

■ रुड़की/एसएनबी।

मदरहुड विवि के कुलपति प्रो. डा. नरेन्द्र शर्मा की अध्यक्षता में पतंजलि बायो रिसर्च इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर नार्थ रीजन पीबीआरआई डा. ऐके मेहता, जनरल मैनेजर पीबीआरआई विवेक बैनीपुरी और मदरहुड विवि के कुलसचिव आर. कस्तूरी द्वारा जैविक उत्पादन प्रशिक्षण प्रमाणपत्र का वितरण किया गया।

रुड़की : छात्रा को प्रमाणपत्र देते मदरहुड विवि के कुलपति डा. नरेंद्र शर्मा।

छात्रों को जैविक उत्पादन प्रशिक्षण प्रमाणपत्र बांटे

कार्यक्रम में डा. एके मेहता ने अच्छी फसल के लिए जैविक खेती पर बल दिया। विवेक बैनीपुरी ने कहा कि मौजूदा सरकार जैविक खेती पर जोर दे रही है। जिसका एक प्रोजेक्ट पतंजलि को मिला है। जिसके अंतगर्त प्रशिक्षण कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि करीब 40 हजार किसानों को जैविक खेती का प्रशिक्षण दे चुके हैं। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अन्तर्गत पतंजलि बायो रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा जैविक उत्पादन प्रशिक्षण दिया गया था। जिसमें 120 छात्रों ने प्रतिभाग किया था जिनमे 72 छात्रों ने सफलता प्राप्त की। प्रशिक्षण का उद्देश्य छात्रों को जैविक कृषि की जानकारी उपलब्ध कराने के साथ किसानों की आय दोगुनी कराने से भी है। इसके लिए मदरहुड विवि के 72 छात्रों प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. अनिल कुमार कपिल ने मंच का संचालन किया। इस मौके पर उप-अधिष्ठाता कृषि डा. राजीव कुमार, सहप्राध्यापक डा. विचित्र आर्य, अरविन्द कुमार, प्रभात कुमार अंकुर सिंहल हेमंत कपूर आदि रहे।

अमर उजाला my city रुड़की-हरिद्वार

प्रशिक्षण में सफल 72 छात्र-छात्राओं को मिले प्रमाणपत्र

संवाद न्यूज एजेंसी

रुड़की। पतंजलि बायो रिसर्च इंस्टीट्यूट की ओर से प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत दिए गए जैविक उत्पादन प्रशिक्षण में सफलता अर्जित करने वाले मदरहुड विश्वविद्यालय के 72 छात्रों को जैविक उत्पादन प्रशिक्षण प्रमाण पत्र दिए।

बुधवार को कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के समक्ष दीप जलाकर की गई। कुलपति डॉ. नरेंद्र शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत पतंजलि बायो रिसर्च इंस्टीट्यूट ने किसान समृद्धि योजना के माध्यम से जैविक उत्पादन प्रशिक्षण दिया था। इसमें विश्वविद्यालय के 72 छात्रों ने सफलता प्राप्त की। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को जैविक कृषि की जानकारी उपलब्ध कराने के साथ-साथ किसान भाइयों की आय दुगनी कराने से भी है। विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. नरेंद्र शर्मा, पतंजलि बायो रिसर्च इंस्टीट्यूट डॉ. ऐके मेहता, विवेक बैनीपुरी, कुल सचिव आर कस्तूरी ने छात्रों को प्रमाणपत्र, टी-शर्ट और कैप देकर सम्मानित किया। इस मौके पर डॉ. एके मेहता ने कहा कि किसानों की प्रमुख समस्या फसल की लागत बढ़ना और उत्पादन का कम होना है। विवेक बैनीपुरी ने कहा कि सरकार जैविक खेती पर जोर दे रही है। इसका एक प्रोजेक्ट पतंजलि को मिला है। उन्होंने बताया कि अभी तक चालीस हजार किसानों को इस परियोजना के अंतर्गत जैविक खेती का प्रशिक्षण दे चुके हैं। छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. अनिल कुमार कपिल ने मंच का संचालन किया। इस अवसर पर उप अधिष्ठाता कृषि डॉ. राजीव कुमार, सह प्राध्यापक डॉ. विचित्र आर्य, अरविंद कुमार, प्रभात कुमार, अंकुर सिंह एवं हेमंत कुमार आदि उपस्थित रहे।

मदरहुड विवि में एक कार्यक्रम के दौरान सफल छात्रों को किया सम्मानित

मदरहुड विवि के कृषि संकाय में जैविक उत्पादन प्रशिक्षण लेने वाले प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए।